वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 32 | मंगलवार 27 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

शिक्षा मंत्री ने पाली जिले के रानी से 8वीं बोर्ड परीक्षा का किया परिणाम जारी

राज्य में 96.66 प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

जयपुर. कासं

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को पाली जिले के रानी डीआईटी केन्द्र से प्रारंभिक शिक्षा कक्षा 8 का परीक्षा परिणाम जारी किया गया। राज्य में 8वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम 96.66 प्रतिशत रहा। दिलावर ने बताया कि कक्षा 8 की परीक्षा का आयोजन 20 मार्च से 2 अप्रैल तक राज्य के निर्धारित 9824 परीक्षा केन्द्रों पर किया गया। इस परीक्षा में कुल 12 लाख 64 हजार 618 परीक्षार्थी शामिल हुए जिनमें से 12 लाख 22 हजार 369 परीक्षार्थी उत्तीण हुए। जिनमें राजकीय विद्यालयों के 6 लाख 84 हजार 940 तथा निजी विद्यालयों से 5 लाख 37 हजार 429 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कुल परीक्षा परिणाम 96.66 प्रतिशत रहा। उन्होंने बताया कि गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष परीक्षा परिणाम बेहतर रहा है। प्रविष्ट समस्त परीक्षार्थियों में से कुल 881 परीक्षार्थियों का परिणाम विभिन्न कारणों से रोका गया है, जिनका परिणाम पृथक से जारी किया जाएगा। कुल 41 हजार 368 परीक्षार्थी एक या अधिक विषयों में पूरक श्रेणी में वर्गीकृत हुए है, जिनके लिए पूरक परीक्षा का आयोजन अगस्त माह में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 8वीं परीक्षा में कुल 6 लाख 65 हजार 562 छात्र एवं 5 लाख 99 हजार 56 छात्रा सम्मिलित हुई। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा के परिणाम में परीक्षार्थियों की अंकतालिका में अंकों का अंकन न किया जाकर ग्रेड अनुसार ग्रेड तालिका जारी की जाती है। जिनमें ग्रेड ए श्रेणी में 2 लाख 48 हजार 542, बी श्रेणी में 6 लाख 62 हजार 367, सी श्रेणी में 3 लाख 9 हजार 317, डी श्रेणी में 2143 एवं वर्गीकृत परीक्षार्थियों की संख्या ई श्रेणी में 41 हजार 368 निर्धारित की गई है। ग्रेड श्रेणी के अनुसार ए ग्रेड का प्राप्तांक स्केल 81 से 100, बी का 61 से 80, सी का 41 से 60, डी का 33 से 40 एवं ई श्रेणी का 0 से 32 है। उन्होंने बताया कि राज्य में टॉप 5 जिलों में सीकर, दौसा, अजमेर, नागौर एवं चुरू का परिणाम सर्वाधिक रहा है।

अपेक्स यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह आयोजित

ऑपरेशन सिंदूर से भारत की विश्वभर में गरिमा बढ़ी

सेना के शौर्य पर देश को नाज, विश्वविद्यालय गुणात्मक शिक्षा के प्रसार के संवाहक बनें: राज्यपाल

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि शिक्षा जीवन को गढ़ती है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की शिक्षा प्रसार में महती भूमिका है। वे राष्ट्रोत्थान में सहभागी बनते हुए गुणात्मक शिक्षा के प्रसार के संवाहक बनें। राज्यपाल बागड़े सोमवार को अपेक्स यूनिवर्सिटी के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत पश्चिम के ज्ञान से आरंभ से ही बहुत आगे रहा है। पर अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने हमे हमारे ज्ञान से निरंतर दूर किया है। उन्होंने भास्कराचार्य की चर्चा करते हुए कहा कि गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के बारे में न्यूटन से पहले उन्होंने बता दिया था। उन्होंने कहा कि भारत ने ही दशमलव का ज्ञान पूरे विश्व को दिया। इसी से संसार को गिनती आई। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भारतीयता से ओतप्रोत संस्कारमय समाज का निर्माण करने वाली है। उन्होंने विश्वविद्यालय में शिक्षकों को आदर्श आचरण के साथ नवीनतम ज्ञान से अपडेट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान और शिक्षा का उपयोग ''विकसित भारत'' के लिए करें। उन्होंने शिक्षा को पवित्र कार्य बताते हुए कहा कि इसमें व्यावसायिकता की बजाय समाजोत्थान को सर्वोपरि रखते हुए कार्य किए जाएं। उन्होंने गरीब, पिछड़े और प्रतिभावान हर वर्ग के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर प्रदान करने में निजी क्षेत्र को महती भूमिका निभाने पर जोर दिया। उन्होंने संजय शिक्षा समिति द्वारा संचालित संस्थाओं में वंचित बालको के लिए किए जा रहे शिक्षा प्रसार के कार्यों की सराहना की। बागडे ने कहा कि शिक्षा का ध्येय बच्चों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना है। कॉपी करके पास हो जाना या रटना शिक्षा नहीं है। शिक्षा का अर्थ है, पढ़े हुए को समझकर अपनी बात रखना। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में सीखने में विद्यार्थी की स्वतंत्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है। राज्यपाल ने कहा

कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमारे देश ने विश्वभर को यह बता दिया है कि दृढ़ इच्छा शक्ति, से भारत ने पूर्ण युद्ध छेड़े बिना ही आतंकवाद पर सीधे प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि इससे पूरी दुनिया में भारत की साख बढ़ी है। हम सभी को मां भारती और हमारी सेना पर गर्व है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय भारतीय सेना की शौर्य गाथाओं और राष्ट्र के महापुरूषों के आलोक में इस तरह के पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत बनाएं जिनसे युवा पीढ़ी राष्ट्र गौरव से प्रत्यक्ष जुड़ सके। इससे पहले राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए।

जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर शांतिनाथ भगवान का मनाया जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे के जिनालयों मे जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर मुनि शांति नाथ भगवान का जन्म , तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया । कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कस्बे के चंद्रपुरी जिनालय में प्रातः श्री जी का अभिषेक, सामूहिक रूप से शांतिधारा करने बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर देवाधिदेव शांति नाथ भगवान का जयकारों के साथ जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव का सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाकर मोक्ष कल्याणक का लाडू चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम में समाज की मुन्नी अजमेरा एवं मैना झंडा ने संयुक्त रूप से बताया कि शांतिनाथ भगवान जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर थे। उन्होंने हस्तिनापुर में एक इक्ष्वाकु वंश के राजा विश्व सेन और रानी अचिरा के यहां जन्म लिया था, उनके प्रतीक चिन्ह हिरण है जो शांति और अहिंसा का प्रतीक है, वह महान तपस्या त्याग और ज्ञान के लिए प्रसिद्ध थे।

192 कलशों से भगवान शांतिनाथ का जन्माभिषेक किया

सुगंधित जल से भगवान की महाशांति धारा की, 31 किलो का निर्वाण लड्डू चढ़ाया

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना में ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी सोमवार को भगवान शांतिनाथ का त्रय कल्याणक महोत्सव मनाया गया अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश सोनी एवं मंत्री प्यार चंद जैन ने बताया कि जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ के त्रय कल्याणक महोत्सव के तहत जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया जिसके तहत प्रातःभगवान शांतिनाथ के जन्माभिषेक के अवसर पर 192 पुण्यार्जक परिवारों द्वारा पंडित अंकित शास्त्री के निर्देशन में 108 रिद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ नारियल पानी से जन्माभिषेक किया गया इसके पश्चात सुगंधित केसर युक्त जल से भगवान की महाशांतिधारा की गई। तत्पश्चात नित्य नियम पूजा नवग्रह पूजा शांतिनाथ भगवान की पूजा शीतलनाथ भगवान की पूजा चंद्रप्रभु भगवान की पूजा के पश्चात प्रातः 10 बजे निर्वाण कांड का वाचन करते हुए 31 किलो का निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। पधारे हुए सभी श्रद्धालुओं के लिए लड्डू मंदिर समिति की ओर से उपलब्ध कराये गए सभी श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ भक्ति नृत्य करते हुए श्री जी के चरणों में लड्डू समर्पित किए। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि दोपहर में श्री शांति मंडल विधान का आयोजन किया गया। जिस में उपस्थित इंद्र इंद्राणीयो ने भक्ति भाव के साथ पूजा करते हुए 148 अर्घ्य एवं श्रीफल भगवान को चढ़ाए इस अवसर पर अतिशय क्षेत्र पर समाज के सामूहिक भोज का आयोजन रखा गया जिसके पुण्यार्जक लालचंद शकुंतला देवी विपुल कुमार मधु देवी शुभम कुमार नीलू आशीष नितिशा वेदांत अनंत सानवी कठमाना वाले निवाई रहे।

तिरंगा यात्रा में शामिल हुई सोनम पाटनी

लाडनूं. शाबाश इंडिया

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के उपलक्ष्य में लाडनूं के भाजपा नेता ठाकुर करणी सिंह के नेतृत्व में नगर के प्रमुख मार्गो से होकर तिरंगा यात्रा निकाली गई। हर हाथ में तिरंगे व देश भक्ति के नारों तथा गीतों से गुंजायमान करती इस भव्य व विशाल तिरंगा यात्रा में अभिनेत्री व लाडनूं के दिगंबर जैन समाज की सदस्य सोनम पाटनी ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने देशभक्ति का जज्बा दिखाया और लोगों में जोश भर दिया। सोनम पाटनी ने कहा ऑपरेशन सिंदूर की जोरदार सफलता के बाद आयोजित तिरंगा यात्रा का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। यह तिरंगा यात्रा हमारे जवानों की वीरता और बलिदान को सलाम करती है। यात्रा में शामिल होकर सोनम पाटनी ने देश के प्रति अपनी एकता और समर्थन दिखाया। लोगों ने उनकी देशभक्ति की भावना की सराहना की। इस अवसर पर सोनम पाटनी ने कहा कि वह हमेशा देश के लिए कुछ करने की इच्छा रखती है और इस तरह के आयोजनों में शामिल होकर उन्हें प्रेरणा मिलती है। तिरंगा यात्रा ने लोगों में देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया है। तिरंगा यात्रा में उनके साथ दिगंबर जैन समाज के महेंद्र सेठी रुबल बड़जात्या नेसी बड़जात्या और राज पाटनी भी सम्मिलित हुए।

श्रमण संस्कृति के महामहिम पट्टाचार्य आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी का चातुर्मास 2025 विरागोदय तीर्थ पथरिया जिला दमोह मध्यप्रदेश में होगा

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। अत्यन्त हर्ष का विषय है कि परम पूज्य, धरती के देवता शताबब्दी देशनाकार चर्या शिरोमणि 108 आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज संसघ ने वर्ष 2025 का चातुर्मास विरागोदय पथरिया में करने का मंदिर कमेटी एवं वीरागोदय तीर्थ कमेटी के समस्त पदाधिकारियों को आशीर्वाद प्रदान किया है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि चातुर्मास 2025 हेतु श्रीफल समर्पित मंदिर कमेटी एवं वीरागोदय तीर्थ कमेटी एवं समस्त गुरु भक्त इस अवसर पर मौजूद रहे।

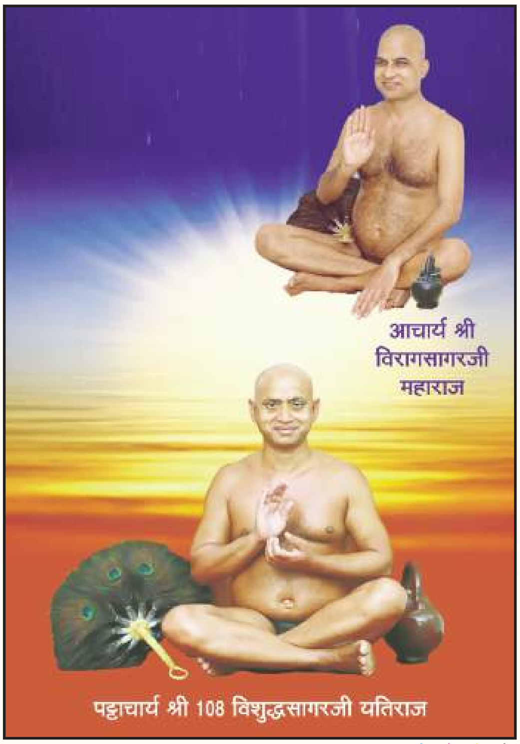

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में त्रिशला संभाग दुर्गापुरा द्वारा 16 मई से 27 मई तक ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महा समिति महिला अंचल एवं बालिका श्रमण संस्थान सांगानेर के संयुक्त तत्वावधान में श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में त्रिशला संभाग दुर्गापुरा द्वारा 16 मई से 27 मई तक ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष श्रीमती चंदा सेठी एवं मंत्री रेणु पांड्या ने बताया कि शिविर में करीबन 110 शिवरार्थि धर्म लाभ ले रहे हैं बालिका संस्थान की बालिकाएं द्वारा सभी को अध्ययन कराया जा रहा है, ज्ञान की वृद्धि हो रही है । दिनांक 26 मई को सभी बच्चों को नियम दिलाया कि घर पर भी सब जो पढाया जाता हैं उसको समझ कर चरित्र मे उतारेंगे। प्रतिदिन पारितोषिक समाज श्रेष्ठयो द्वारा वितरण किया जाता हे इसी क्रम मे 26 मई को जय कुमार -छवि , नितेश , अनुराग, मोनिका बिंदायक्या द्वारा दिया गया। यह शिविर जयपुर के लगभग 45 मंदिरों में निरंतर 26 साल से चलता आ रहा है। दुर्गापुरा मंदिर में शिविर आयोजन में मंदीर कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड, मंत्री राजेंद्र काला एवम समस्त मन्दिर कमेटी का सहयोग निरंतर मिलता रहता है ।

महासमिति के द्वारा आयोजित सभी धार्मिक शिक्षण शिविरों का समापन आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति, राजस्थान अंचल द्वारा आयोजित धार्मिक शिक्षण शिविर का सफल समापन आज। दिगंबर जैन महासमिति, पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल कुमार संघी ने अवगत कराया कि राजस्थान अंचल की ओर से आयोजित धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर में पश्चिम संभाग की कीर्ति नगर एवं महावीर नगर इकाइयों में कक्षाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। कीर्ति नगर इकाई के अध्यक्ष भागचंद बाकलीवाल एवं मंत्री राजकुमार छाबड़ा तथा महावीर नगर इकाई के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन पांड्या एवं मंत्री राजेंद्र कुमार जैन पापड़ीवाल के कुशल नेतृत्व में कक्षाएं चल रही हैं। पश्चिम संभाग के मंत्री महेंद्र छाबड़ा ने बताया कि कीर्ति नगर की कक्षाओं का संचालन संयोजक रमेशचंद्र जैन पाटनी एवं महावीर नगर की कक्षाओं का संचालन संयोजिका श्रीमती सुशीला जैन गोदिका द्वारा निरंतर किया जा रहा है। सभी प्रतिभागियों को नियमित उपहार भी प्रदान किए जा रहे हैं। कोषाध्यक्ष मनोज गोधा के अनुसार कीर्ति नगर में 85 तथा महावीर नगर में 72 छात्र- छात्राएं, महिलाएं एवं पुरुष विभिन्न धार्मिक विषयों में अध्ययनरत हैं। यह शिक्षण शिविर 18 मई से प्रारंभ होकर 27 मई को परीक्षा के साथ समापन करेगा। इस कार्यक्रम का अवलोकन मुख्य संयोजक डॉ. बी. सी. जैन एवं अंचल के अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

कीर्ति नगर इकाई के अध्यक्ष भागचंद बाकलीवाल एवं मंत्री राजकुमार छाबड़ा तथा महावीर नगर इकाई के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन पांड्या एवं मंत्री राजेंद्र कुमार जैन पापड़ीवाल के कुशल नेतृत्व में कक्षाएं चल रही हैं...

वेद ज्ञान

जीवन को दिशा देने के लिए सत्संग में नियमित सम्मिलित होना चाहिए

जीवन उत्सवमय तभी होता है, जब सभी को साथ लेकर चलें। एकाकीपन नीरसता लाता है। निष्ठुरता लाता है। संसार में विविधता है और इस विविधता में ही पार पाना है। समूह-भाव से ही जीवन-उत्सव बनता है। परिजन मिलकर रहें। सबको साथ लेकर चलना ही अभीष्ट है। पर्वों को तो विशेष उत्साह से मनाएं। सबके मंगल की कामना करें। पर्वों पर अड़ोस-पड़ोस और परिजनों का विशेष ध्यान रखें। कोई भूखा न रह जाए। केवल अपने लिए जीना या स्व उदरपूर्ति तक केंद्रित रहना अच्छी बात नहीं है। जीवन संस्कारमय तो तभी होगा, जब समग्रता के साथ गुणों का संवर्धन होगा। इसलिए आत्मचेतना का सामाजिक विस्तार निरंतर बना रहना चाहिए। जब ईश्वर ने हमें सेवा के योग्य बनाया है तो सेवा से संबंधित विविध कार्यों का विस्तार होना चाहिए। सेवा हमारे मन की पावन भावना है, जो हमें राग-द्वेष और भेदभाव से ऊपर उठाती है। सामूहिक भाव मन में प्रसन्नता लाता है। पर्व और मेले सामूहिक संस्कार को जगाते हैं, किंतु आज की भागमभाग जिंदगी में हम पर्वों का आनंद भी नहीं उठा पाते। सत्संग में नियमित सम्मिलित होना चाहिए। जीवन को दिशा देने के लिए, विषाद को दूर करने के लिए ये बहुत उपयोगी हैं। इनसे ईश्वरीय विचार पुष्ट होते हैं और मानव जीवन की महिमा पुष्ट होती है। इसलिए आवश्यकता यही है कि हम अपने सोचने का तरीका और दृष्टिकोण बदलें। आनंदमय जीवन की कल्पना तभी प्रत्यक्ष होगी, जब मन में सत्संकल्प और सद्विचार सुदृढ़ होंगे। आइए अपने आनंदमय स्वरूप का चिंतन करें, सर्वकल्याण की कामना करें और परमात्मा की प्रकृति का सदुपयोग करें। ईश्वर ने इतने उपहार दिए हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें। जब परमात्मा ने बिना किसी शुल्क के हमें इतने वरदान दिए हैं तो क्यों न हम भी प्राणिमात्र की सेवाओं को जीवन का अनिवार्य अंग बनाएं? पूर्ण आत्मविश्वास के साथ निडर होकर जीवन क्षेत्र में आगे बढ़ते रहें। हमारा जीवन अमरत्व की साधना है। मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ना ही जीवन का पर्व है। इस जीवन पर्व को उल्लास और आनंद के साथ पूर्णता दें।

संपादकीय

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार बरकरार...

सरकार लगातार देश की अर्थव्यवस्था पांच लाख करोड़ डालर तक पहुंचाने का संकल्प दोहराती रही है। दावा किया जाता है कि भारत जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा। इसके लिए प्रयास भी किए जा रहे हैं। इस लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ने का उत्साह नीति आयोग शासी परिषद की दसवीं बैठक में भी दिखा। इसमें प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कहा कि अगर वे टीम इंडिया की तरह काम करें

और हर राज्य, हर शहर, हर गांव को विकसित बनाने के लिए काम करें, तो आजादी की सौवीं वर्षगांठ से पहले ही देश को विकसित की श्रेणी में खड़ा किया जा सकता है। उन्होंने पर्यटन और शहरी विकास पर विशेष बल दिया। इस बैठक का विषय भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने पर विचार करना था। यह एक तरह से केंद्र सरकार के विकासोन्मुखी कार्यक्रमों को और गति देने की मंशा के अनुरूप ही है। अक्सर विपक्षी दलों वाली राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के बीच नीतियों का टकराव देखा जाता रहा है, जिसका असर विकास कार्यक्रमों पर पड़ता है। अच्छी बात है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथ संबंधों में सहजता लाने का प्रयास किया। इसी का नतीजा है कि बैठक में किसी प्रकार का वैचारिक विरोध नजर नहीं आया। हालांकि कांग्रेस ने इस बैठक को लोगों का ध्यान भटकाने का सरकार का एक और प्रयास बताया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और तमाम झटकों के बावजूद इसकी रफ्तार पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में विकासशील देशों यानी वैश्विक दक्षिण देशों की उम्मीदें इससे और जुड़ती गई हैं। विश्व पटल पर व्यापारिक समझौतों आदि के मामले में भारत ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ऐसे में अगर केंद्र और सभी राज्य सरकारें मिल कर विश्व मानकों के अनुरूप अपने शहरों, पर्यटन स्थलों और विनिर्माण योजनाओं पर गंभीरता से काम करें, तो एक मिसाल कायम हो सकती है। मगर असल चुनौती यही है कि केंद्र सरकार किस तरह राज्य सरकारों के साथ सौहार्द और सहयोग का रिश्ता कायम कर पाती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तो लगातार केंद्र की नीतियों और बैठकों आदि का विरोध करती रही हैं। इसके अलावा, विपक्षी दलों की राज्य सरकारों के साथ केंद्र के रिश्ते तनावपूर्ण देखे गए हैं। इसलिए केंद्र से ही अपेक्षा की जाती है कि वह इस तल्खी को दूर करने का प्रयास करे। विकास और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से नत्थी होते हुए भी कई मामलों में इनमें अलगाव भी होता है। जरूरी नहीं कि सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों के आधार पर अर्थव्यवस्था की दर ऊंची होने पर देश में खुशहाली का स्तर भी ऊंचा हो। भारत में यह विरोधाभास गहरा है। एक तरफ विकास दर ऊंची है, तो दूसरी तरफ बेरोजगारी और गरीबी उन्मूलन के मामले में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्रश्नांकित होती रहती हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जल समस्या का समाधान

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला किया है, मगर इसके पानी को पाकिस्तान जाने से रोकने के लिए हम अभी बुनियादी ढांचा विकसित नहीं कर सके हैं। ऐसे में, सरकार की तरफ से फौरी, मध्यम अवधि के और दीर्घकालिक उपाय किए जा रहे हैं। तात्कालिक उपाय के तहत जलाशयों की जल ग्रहण क्षमता बढ़ाने के लिए उनसे गाद निकालने पर विचार किया जा रहा है, जबकि मध्यम अवधि के और दीर्घकालिक उपायों के तहत शाहपुरकंडी और उझ जैसी परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने या नए बांध बनाने पर भारत विचार कर सकता है। ये सभी कदम बेशक मददगार हैं, लेकिन इनके सामने कई बड़ी चुनौतियां भी हैं। लिहाजा, यह जरूरी है कि भारत अपने जल झ अधिकारों की सुरक्षा के लिए नए तरीके खोजे। ऐसा ही एक उपाय है, पंजाब के भूजल- संचय स्थलों का व्यापक उपयोग। भूजल को जमा करके रखने वाली ये चट्टानी परतें पिछले कुछ दशकों में सूख चुकी हैं, जबकि इनमें पानी की बड़ी मात्रा को जमा करने की क्षमता होती है। हम चाहें, तो इन जल संचय स्थलों को फिर से भरने वाली ''मैनेज्ड एक्विफर रीचार्ज'' (एमएआर) तकनीकी का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिनसे हमारी जल सुरक्षा मजबूत होगी। सिंधु की तीनों पूर्वी नदियों पर भारत ने एक-एक बांध बनाए हैं- सतलुज पर भाखड़ा, ब्यास पर पोंग और रावी पर रंजीत सागर । ये ऐसी जगहों पर हैं, जहां ये नदियां निचली हिमालय श्रृंखला को पार करती हैं। ये जगहें एकदम संकरी घाटियां बनाती हैं, जहां हम पहाड़ों का उपयोग बड़ी मात्रा में पानी को रोकने के लिए कर सकते हैं, ताकि गहरे जलाशय बन सकें। मगर इन तीनों स्थलों का इस्तेमाल पहले से हो चुका है। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के अनुसार, भारत अभी तीनों पूर्वी नदियों के 25 लाख क्यूबिक मीटर पानी का उपयोग नहीं कर पाता। मानसून के दौरान, पानी का प्रवाह इतना अधिक होता है कि ज्यादातर पानी पाकिस्तान में बह जाता है। फिर, बदलते जलवायु के कारण उत्तर-पश्चिम भारत में सालाना वर्षा में वृद्धि की भी आशंका है। ऐसे में, अपने पानी को बचाने के लिए हमें भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी। उधर, पंजाब में भूजल की स्थिति काफी चिंताजनक है। केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) का अनुमान है कि यहां प्राकृतिक तौर पर भूजल की जितनी भरपायी होती है, उससे 165 फीसदी अधिक पानी निकाला जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में भूजल स्तर हर साल एक मीटर से भी ज्यादा घट रहा है। पंजाब में जल संचय स्थल काफी गहरे हैं और गहराई वाला ज्यादातर भूजल खारा हो चुका है। यदि कोई प्रवास न किया गया, तो अगले कुछ दशकों में इसके ज्यादातर हिस्सों से खारा पानी ही बाहर निकलेगा । सीजीडब्ल्यूबी के मुताबिक, पंजाब में लगभग पांच करोड़ क्यूबिक मीटर जल संचय स्थल उपलब्ध हैं, जिनमें भूजल को फिर से भरा जा सकता है। ऐसे में तीनों पूर्वी नदियों के अतिरिक्त पानी एमएआर तकनीक से पंजाब के इन जलभृतों में पहुंचाया जा सकता है। अमेरिका के टक्सन (एरिजोना) में ऐसा किया जा चुका है। वहां 1950 के दशक के आस-पास बोरवेल के आने के बाद भूजल स्तर में तेज गिरावट हुई, नतीजतन 1990 के दशक में कोलोराडो नदी से पानी भरना शुरू किया गया, जिसका उसे काफी फायदा मिला। **-विवेक सिंह ग्रेवाल**

पंचतीर्थ जिनालय पर भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। बापू नगर जयपुर के पंडित टोडरमल स्मारक भवन स्थित पंचतीर्थ जिनालय में निर्वाण क्षेत्र सम्मेद शिखरजी पर्वत पर स्थित शांतिनाथ भगवान की भव्य खड्गासन प्रतिमा के समक्ष सीमंधर जिनालय ग्रुप के सदस्यों द्वारा श्रद्धा व उत्साह के साथ महामंगल कारी जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। सर्वप्रथम हीरा चन्द बैद के सानिध्य में मुकेश जैन , मयंक बैद ,एस.के.जैन, नवीन जैन व अन्य श्रावकों ने भगवान शांतिनाथ का जलाभिषेक किया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से निर्वाण काण्ड भाषा का पाठ कर मोक्ष कल्याणक का अर्घ बोलकर निर्वाण श्रीफल चढ़ाया। कार्यक्रम में संजीव जैन भिलाई , सुभाष जैन का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर राजेश बक्शी, आभा बज, रूपा जी, बेला बज,पूनम रारा, पुष्पा बज, के अलावा रेखा सांघी एवं रेणु सांघी, विमला देवी जैन, शशी जैन की गरिमामय उपस्थिति रही। बाद में सीमंधर जिनालय में भी सीमंधर जिनालय ग्रुप के हीरा चन्द बैद व अन्य श्रद्धालुओं ने सोलहवें तीर्थंकर 1008 भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा के अभिषेक किये। महिला श्रद्धालुओं ने अष्टद्रव्य से पूजा की यहां पर मूल चन्द छाबड़ा, विमला देवी छाबड़ा सुशील देवी गंगवाल, पूर्णिमा रांका, श्रीमती दिलिप जैन भी उपस्थित थे।

भोपाल से आये पाठशाला के बच्चों ने प्राप्त किया गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का मंगल आशीर्वाद

आष्टा. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ ने आष्टा में विराजित प्रभु श्री पार्श्वनाथ की चरण वंदना की।माताजी के मुखारविन्द से शांतिधारा सम्पन्न हुई। तत्पश्चात आष्टा की पाठशाला के बच्चों ने प्रभु व गुरु पूजन का सौभाग्य प्राप्त किया। पूज्य गुरु विराग सागर जी महाराज के चित्रानावरण, दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसी बीच भोपाल से पधारे हुए अतिथि जितेन्द्र जैन, सुशील जैन एवं महिला मंडल व पाठशाला के बच्चों का स्वागत सत्कार आष्टा जैन समाज द्वारा किया गया। तत्पश्चात पूज्य माताजी का मंगल उद्बोधन का सौभाग्य भी भक्तों ने प्राप्त किया। माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - आज रविवार है छुट्टी का दिन है। इस दिन धर्म पुरुषार्थ कर लो क्योंकि बाकी दिन तो आप कर्म पुरुषार्थ ही करते हैं। मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दें । यदि आपने कोई अच्छा कार्य किया और किसी ने उसे नही देखा तो उदास नहीं होना क्योंकि सूर्योदय के समय बहुत लोग सोये रहते हैं। रविवार सप्ताह का प्रथम दिन है और यदि पहले दिन की शुरूआत अच्छी हुई तो बाकी दिनों की भी अच्छी रहेगी। माताजी ने आगे कहा कि हमारा जीवन 1 दिन का है। सबसे पहले पोफट में बनते हो फिर बालपन आता है दोपहर में यौवन शाम को वृद्धावस्था और रात्रि में इतिश्री अर्थात मृत्यु। इतना सा जीवन है इसमें धर्म पुरुषार्थ कर लेना क्योंकि यही मनुष्य के साथ जाने वाला है। धन-दौलत सब यहीं पर धराशायी हो जाने वाली है ।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

हरिद्वार. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की उत्तराखण्ड के बद्रिनाथ से हरिद्वार ओर हरिद्वार से तरूण सागरम तीर्थ दिल्ली अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है। आज भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्क्रिड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का पदविहार श्री आदिनाथ अतिथि भवन देवगन से मैपल्स एकडेमी, हाइवे के लिए होगा। विहार दरम्यान उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि सुख, शांति, प्रेम और प्रसन्नता का अर्थ लड़ना झगड़ना नहीं है.. बल्कि उन बुराइयों से कुशलता पूर्वक दूर हो जाना, जिन बातों से सुख, शान्ति, प्रेम, प्रसन्नता कम हो रही हो..! क्योंकि अभिमान की ताकत फरिश्तों को भी शैतान बना देती है। और सरलता, विनम्रता, प्रसन्नता साधारण व्यक्ति को भी फरिश्ता बना देती है। मैं मानता हूं- संसार में बुराईयां है। पर तुमने कभी सोचा कि बुराइयां क्यों है ? दुनिया में बुराईयां इसलिये नहीं है कि बुरे आदमी ज्यादा बोलते हैं बल्कि इसलिये है कि भले आदमी समय पर चुप रह जाते हैं। आज हमने गलत को गलत कहने की हिम्मत खो दी है। यही कारण है कि बुराईयां हमारे सिर पर चढ़कर बोल रही है। हमें गलत को गलत कहने की हिम्मत बरकरार रखना है। जब तक हममें गलत को गलत कहने की हिम्मत होगी तब तक हमारा भविष्य सुरक्षित है। अन्यथा परन्तु कब किससे कहाँ कैसे कहना है, इसका विवेक होना चाहिए। अन्यथा आपकी सही बात, गलत वक्त पर बोलने से आप पर भारी पड़ सकती है। ईमानदार और साहसी लोगों से ही घर, परिवार और समाज का भला हो सकता है। सिर्फ ईमानदार और साहसी होना ही पर्याप्त नहीं है, साथ में हिम्मत भी चाहिए बोलने और सुनने की क्योंकि दिल के साफ और सच बोलने वाले इंसान, अक्सर अकेले मिलते हैं..यह जिन्दगी का कड़वा सच भी है...!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

वरुण पथ मंदिर में भगवान शान्तिनाथ जी के कल्याणक मनाए

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर द्वारा श्री श्री 1008 भगवान शान्तिनाथ जी के जन्म, तप,मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्माण लाडू अर्पित किया गया। संगठन मंत्री विनेश सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर मूलनायक भगवान जी की प्रतिमा के अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य सुधीर बोहरा , हेमेंद्र सेठी को प्राप्त हुआ इसके पश्चात भगवान शान्तिनाथ जी के जन्म, तप,मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्वाण लाडू पूर्ण विधि विधान एवं मंत्रोचार से अर्पित किया गया निर्वाण लाडू के पुण्यार्जक डॉ सतीष डॉ ममता जैन,चंदा देवी महेंद्र कासलीवाल, जैनेंद्र निर्मला पाटनी, सुधीर अंजली बोहरा, कांता देवी बड़जात्या, विनेश प्रीती सोगानी, सुरेंद्र जी सोनल जैन, अक्षय आशा गोधा, गुणमाला देवी मनोज जैन, रोहित जैन,नन्दलाल राजकुमार काला, ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में ज्ञान बिलाला, विनेश सोगानी, संतोष कासलीवाल, सतीष कासलीवाल, दया चंद जैन, सुरेन्द्र जैन, अनील जैन, जैनेंद्र पाटनी, चंदा देवी, कांता देवी बड़जात्या, मुन्ना देवी, भंवरी देवी काला, अंजू जैन आशा सेठी, निधी लुहाड़िया, उषा झाझरी, निर्मला पाटनी सहित अनेकों साधर्मी बंधु उपस्थित रहे।

रॉयल एवेन्यू में धार्मिक शिक्षण शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। रॉयल एवेन्यू में दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान की अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका की प्रेरणा से धार्मिक शिक्षण शिविर आयोजित। रेवन्यू की अध्यक्ष अंजलि जैन ने बताया की 45 बच्चे तथा 15 महिलाएं पाठशाला में धर्म की शिक्षा ग्रहण कर रहे है। बाल बौध, द्रव्य संग्रह, हितोपदेश आदि पढ़ कर धर्म लाभ ले रहे हैं। बच्चों एवं युवाओं ने एक साथ मिलकर पूजा की। इस अवसर पर सभी को अल्पाहार एवं गिफ्ट वितरण किया गया।

हिसार की बेटी और भिवानी की बहू प्रियंका सौरभ को मिला "सामाजिक सरोकार पत्रकारिता नारद सम्मान 2025"

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने मानव रचना यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद में किया सम्मानित

हिसार/ भिवानी/फरीदाबाद, हरियाणा

देवर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह में हरियाणा की चर्चित लेखिका, कवयित्री एवं स्वतंत्र पत्रकार प्रियंका सौरभ को 'सामाजिक सरोकार पत्रकारिता नारद सम्मान-2025' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल द्वारा मानव रचना यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद के सभागार में प्रदान किया गया। प्रियंका सौरभ, जो हिसार के गांव आर्य नगर की बेटी और भिवानी के गांव बड़वा की बहू हैं, ने अपने लेखन के माध्यम से सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, पर्यावरण और लोकतांत्रिक मूल्यों की पक्षधरता की है। उनका लेखन जनसरोकारों की आवाज बन चुका है। इस आयोजन का सफल संचालन विश्व संवाद केंद्र, हरियाणा द्वारा किया गया, जो पिछले 10 वर्षों से देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारों को सम्मानित करता आ रहा है। इस वर्ष का आयोजन 25 मई 2025 को किया गया। विश्व संवाद केंद्र, हरियाणा के सचिव श्री राजेश कुमार ने जानकारी देते हुए कहा, देवर्षि नारद भारतीय पत्रकारिता के आदर्श माने जाते हैं। आज के संदर्भ में ऐसे पत्रकारों को सम्मानित करना जरूरी है, जो निडर होकर समाज की सच्चाइयों को सामने लाते हैं। प्रियंका सौरभ का लेखन इसी विचारधारा को आगे बढ़ाता है। सम्मान स्वीकार करते हुए प्रियंका सौरभ ने कहा, यह सम्मान मेरी कलम का नहीं, उन आवाजों का है जिन्हें समाज अक्सर अनसुना कर देता है। मैं प्रयासरत हूं कि मेरी लेखनी उनके हक और हकीकत को सामने लाती रहे।

सेमीकंडक्टर उद्योग में उभरते कैरियर पथ

विजय गर्ग

सेमीकंडक्टर उद्योग आधुनिक वाणिज्य का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जिसमें चिप्स के डिजाइन, निर्माण और वितरण शामिल हैं, जिसे एकीकृत सर्किट के रूप में भी जाना जाता है। आईसी सेमीकंडक्टर सामग्रियों से बने इलेक्ट्रॉनिक घटक हैं जो इंसुलेटर और कंडक्टरों के बीच विद्युत चालकता प्रदान करते हैं और कंप्यूटर, स्मार्टफोन, कैमरा, स्मार्टफोन, ऑटोमोटिव सिस्टम और औद्योगिक मशीनरी जैसे रोजमर्रा के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए महत्वपूर्ण हैं। पिछले कुछ वर्षों में, आपने शायद चिप की कमी के बारे में सुना है। चल रही आपूर्ति शृंखला वसूली और अमेरिका के लिए धन्यवाद 2022 के चिप्स और विज्ञान अधिनियम, उद्योग पूरे जोरों पर है, संपन्न है, और चिप्स अर्धचालक करियर की मांग करने वाले मेहनती पेशेवरों की आवश्यकता है। मई 2023 के सेमीकंडक्टर उद्योग संगठन के लेख के अनुसार, वैश्विक सेमीकंडक्टर की बिक्री 2022 में $ 574 बिलियन तक पहुंच गई, जिसमें यू.एस. $ 275 बिलियन के लिए बिक्री लेखांकन। जैसे-जैसे उद्योग पलटाव जारी रखता है, इसे पेशेवरों को चल रही जरूरतों और नई वृद्धि का समर्थन करने की आवश्यकता होगी जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में वैश्विक अर्धचालक उद्योग में कई कंपनियां हैं, अन्य देश इस क्षेत्र पर हावी हैं, जिनमें जापान, ताइवान, दक्षिण कोरिया और नीदरलैंड शामिल हैं। सेमीकंडक्टर उद्योग में करियर यदि आपने अभी इस रोमांचक क्षेत्र में करियर पर विचार करना शुरू किया है, तो यह आपको कुछ कैरियर विशेषज्ञता को समझने में मदद कर सकता है।

यहां कुछ अर्धचालक उद्योग विशेषज्ञता हैं जिन पर आप ध्यान केंद्रित कर सकते हैं...

सिस्टम और एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर विकास सिस्टम एकीकरण और परीक्षण गर्मी और बड़े पैमाने पर स्थानांतरण इमेजिंग और लिथोग्राफी प्रदर्शन इलेक्ट्रानिक्स मेक्ट्रोनिक्स इलेक्ट्रॉन प्रकाशिकी बुनियादी नौकरी कर्तव्यों और समग्र आवश्यकताओं जबकि इस उद्योग में पेशेवरों के लिए कुछ कर्तव्य विशिष्ट करियर से संबंधित हैं, कुछ अतिव्यापी कौशल की भी आवश्यकता हैः सेमीकंडक्टर का उपयोग करके निर्मित उपकरणों को डिजाइन करना, विकसित करना और परीक्षण करना आईसी और अर्धचालक के डिजाइन और विनिर्माण प्रक्रिया का अनुकूलन चिप्स और अर्धचालक की उपज, विश्वसनीयता और प्रदर्शन में सुधार एकीकृत सर्किट डिजाइन और विकसित करना अर्धचालक उपकरणों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों का संचालन और रखरखाव अर्धचालक उपकरणों के शिपमेंट के लिए उचित पैकेजिंग सुनिश्चित करना विपणन अर्धचालक उपकरण चिप्स और अर्धचालक का उपयोग करने के नए तरीके खोजने और विकसित करने के लिए अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) का संचालन करना रिलीज और शिपमेंट से पहले अर्धचालक उपकरणों का परीक्षण करके गुणवत्ता नियंत्रण और आश्वासन प्रदान करना आप अपनी भूमिका में उद्योग का समर्थन कैसे करेंगे? जैसा कि आप देख सकते हैं, ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप उद्योग का समर्थन कर सकते हैं। यदि आप विपणन जैसे क्षेत्र का पीछा करते हैं तो आपको सबसे तकनीकी, विज्ञान-आधारित कौशल की आवश्यकता नहीं हो सकती है। हालांकि, आपको अभी भी उन उत्पादों की दृढ़ समझ रखने की आवश्यकता है जिन्हें आप विपणन करेंगे लेकिन आपके द्वारा चुना गया कोई भी रास्ता विकास बढ़ाने के लिए निर्धारित इस आकर्षक उद्योग का समर्थन करने में मदद कर सकता है।

सेमीकंडक्टर इंजीनियर एक अर्धचालक इंजीनियर के रूप में, आप अर्धचालक उपकरणों, एकीकृत सर्किट (आईसी, या माइक्रोचिप्स), सॉफ्टवेयर, मॉड्यूल और इंटरफेस और संरचनाओं को डिजाइन, विकसित और परीक्षण करने में मदद करेंगे। आप सर्किट डिजाइन, डिवाइस इंजीनियरिंग, या प्रक्रिया इंजीनियरिंग जैसे अध्ययनों में विशेषज्ञ चुन सकते हैं। प्रोसेस इंजीनियर एक प्रोसेस इंजीनियर सेमीकंडक्टर उपकरणों का उत्पादन करने वाली विनिर्माण प्रक्रियाओं के विकास और अनुकूलन पर केंद्रित है। आपके काम में उपयोग किए जाने वाले उपकरण, प्रक्रिया डिजाइन और अनुकूलन जैसे कारकों को समायोजित करके प्रदर्शन, उपज और विश्वसनीयता में सुधार करना शामिल होगा। सत्यापन अभियंता एक सत्यापन इंजीनियर यह सुनिश्चित करता है कि उत्पाद बाजार में जारी होने से पहले ही कार्य करें। वे यह सत्यापित करने के लिए आईसी के मॉक संस्करण बनाते हैं और परीक्षण करते हैं कि वे प्रदर्शन विनिर्देशों और गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं। अर्धचालक विनिर्माण तकनीशियन इस कैरियर में, आप अर्धचालक उपकरणों के उत्पादन और असेंबली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, उपकरण का संचालन और रखरखाव, उत्पादन प्रक्रियाओं की निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण जांच का संचालन करेंगे। एकीकृत सर्किट डिजाइनर यह अत्यधिक तकनीकी कैरियर विकल्प आईसी पर केंद्रित है, और आप सर्किट फ्रेमवर्क डिजाइन करने, चिप प्रदर्शन का अनुकूलन करने और चिप प्लेसमेंट असाइन करने के लिए वीएचडीएल या वेरिलॉग सहित टूल और प्रोग्रामिंग भाषाओं का उपयोग करेंगे।

इस कैरियर के लिए वैकल्पिक नौकरी के शीर्षक में शामिल हैं...

हार्डवेयर इंजीनियर **ASIC** डिजाइन इंजीनियर पीसीबी लेआउट इंजीनियर सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इंजीनियर एक अर्धचालक पैकेजिंग इंजीनियर आईसीएस की भौतिक और विद्युत पैकेजिंग का समर्थन करने के लिए डिजाइन और विकास गतिविधियों को अंजाम देता है, विचार से सिमुलेशन तक अंतिम पैकेजिंग निर्णय। आप चिप्स की उचित सुरक्षा, इंटरकनेक्शन और थर्मल प्रबंधन सुनिश्चित करेंगे। फील्ड सर्विस इंजीनियर अर्धचालक उद्योग में एक फील्ड सर्विस इंजीनियर एक तकनीशियन है जो अर्धचालक प्रसंस्करण उपकरणों की स्थापना, रखरखाव और मरम्मत के लिए जिम्मेदार है। इस भूमिका में, आप नए उपकरण स्थापित करेंगे, मौजूदा उपकरणों का निवारण और मरम्मत करेंगे, ग्राहक सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करेंगे, और बहुत कुछ। आपको ग्राहकों और अन्य इंजीनियरों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने में भी सक्षम होना चाहिए। टेस्ट इंजीनियर यह जानना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक अर्धचालक उपकरण जनता को बिक्री के लिए जारी होने से पहले कितनी अच्छी तरह काम करता है। एक परीक्षण इंजीनियर के रूप में, आप उपकरणों की कार्यक्षमता और प्रदर्शन को मापने, परीक्षण करने, परिणामों का विश्लेषण करने, समस्या निवारण मुद्दों और संतुष्ट होने तक पूरी प्रक्रिया को दोहराने के लिए परीक्षण विधियों को विकसित करने और लागू करने के लिए जिम्मेदार होंगे। बिक्री और विपणन जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, बिक्री और विपणन उपभोक्ताओं के लिए हर किसी की कड़ी मेहनत को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण घटक हैं। इस भूमिका में, आप निर्मित अर्धचालक उपकरणों को बढ़ावा देंगे और बेचेंगे, बाजार के अवसरों की पहचान करेंगे, ग्राहक संबंधों का निर्माण करेंगे, व्यावसायिक रणनीतियों का विकास करेंगे, और राजस्व वृद्धि सुनिश्चित करेंगे। **एक मेज के आसपास सहयोग करने वाले लोगः** अनुसंधान और विकास (अनुसंधान एवं विकास) अनुसंधान एवं विकास में, आप नई अर्धचालक प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए नई तकनीकों, सामग्रियों और डिवाइस फ्रेमवर्क का पता लगाएंगे। इस कैरियर में, आप अपने संगठन के लिए नए विचारों की ओर आपका और आपके व्यवसाय का मार्गदर्शन करने के लिए रुझानों, नवाचारों और भविष्य की तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। अनुप्रयोग अभियंता एक एप्लिकेशन इंजीनियर के रूप में, आप अपने संगठन के अर्धचालक उपकरणों के उपयोगकर्ता अनुभव (यूएक्स) में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए ग्राहकों के साथ मिलकर काम करेंगे। आप अपनी खुद की अंतर्दृष्टि और सहानुभूति का उपयोग करेंगे क्योंकि आप अपने उत्पादों के साथ ग्राहकों की जरूरतों, इच्छाओं और निराशाओं को सुनते हैं। आप तकनीकी सहायता प्रदान करके भी उनकी मदद कर सकते हैं जो उन्हें अपने जीवन के सापेक्ष विभिन्न अनुप्रयोगों में अर्धचालक उत्पादों को एकीकृत करने की अनुमति देगा। इस भूमिका में अपने काम के साथ, आप मौजूदा उत्पादों में सुधार और विस्तार करने में मदद कर सकते हैं। आपूर्ति श्रृंखला और संचालन इंजीनियर यह विशेष काम शायद पिछले कुछ वर्षों से पेशेवरों के लिए असाधारण रूप से चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन चूंकि उद्योग में चीजें दिख रही हैं, इसलिए दबाव शायद कम हो गया है। एक आपूर्ति श्रृंखला और संचालन इंजीनियर के रूप में, आप अर्धचालक उत्पादों की योजना, सोर्सिंग, विनिर्माण, वितरण और वितरण की देखरेख करने के लिए काम करेंगे। इस नौकरी में प्राथमिक लक्ष्य दक्षता के अनुकूलन, लागत को कम करने और रसद के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। गुणवत्ता और विश्वसनीयता इंजीनियर एक गुणवत्ता और विश्वसनीयता इंजीनियर के रूप में, आप अर्धचालक उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता आश्वासन प्रदान करेंगे। आप परीक्षण प्रक्रियाओं को विकसित और लागू करेंगे। अर्धचालकों में व्यवसायों के लिए वेतन ऊपर सूचीबद्ध करियर इस उद्योग में आपके पास मौजूद कई विकल्पों में से कुछ ही हैं। ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स (बीएलएस) के अनुसार, वेतन विकल्पों की विस्तृत श्रृंखला को दर्शाता है, मुआवजा प्रदान करता है जो लगभग $ 52,000 से शुरू होता है और लगभग $ 177,000 तक जाता है। उद्योग के भीतर कई कैरियर क्षेत्रों का अन्वेषण करें सेमीकंडक्टर उद्योग में आपके लिए बहुत सारे रोमांचक कैरियर के अवसर हैं। **विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाविद् स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब**

भारतीय जैन संघटना संस्था द्वारा श्रीमती विमला ठोलिया को सम्मानित किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन संघटना संस्था द्वारा विशेष कार्यक्रम में श्रीमती विमला ठोलिया को सम्मानित किया गया। आपको सम्मान फलक श्रीमती अनिला कोठारी द्वारा प्रदान किया गया ।यह सम्मान आपके द्वारा समाज सेवा के विशिष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। श्रीमती विमला जैन ठोलिया ने अपने जीवन का लक्ष्य समाज सेवा माना है आपके द्वारा निर्धन गरीब असहाय लोगों को कैंसर जैसी महामारी से निजात दिलाने में अपना जीवन समर्पित किया हैं। श्रीमती ठोलिया प्रतिदिन अपना अमूल्य समय समाज सेवा में व्यतीत करती है विगत 25 वर्षों से भगवन महावीर केंसर अस्पताल से जुड़ कर अपने जीवन को समाज सेवा में लगाया है। एक अकेली महिला का जज्बा, हिम्मत, समर्पण, साहस वास्तव में विरला ही दिखाई देता है आपके इस कार्य से प्राभावित होकर आपको भगवान महावीर कैंसर अस्पताल द्वारा राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में सम्मानित किया गया है। आपने समाज सेवा के साथ साथ धर्म से जुड़े रहते हुए जैन संस्कार पाठशाला का शुभारंभ किया जिसने 50 बच्चें प्रत्येक रविवार को जैनत्व के संस्कारों से रूबरू होते है व जीवन मूल्यों की शिक्षा प्राप्त करते हैं। वास्तव में मुझे प्रतीत होता है की इस गायन की पंक्तियां आप पर सटीक बैठती है। वैष्णव जन तो तेने कहिए पीर पराई जाने से विमला जी के जज्बे हो सलाम आज आप जैसे लोग है जो कलयुग में भी सतयुग सा एहसास दिलाते हैं।

कठपुतली नगर के राजकीय विद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। ज्योति नगर स्थित कठपुतली नगर के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बालक-बालिकाओं ने उत्साह से भाग लिया। इस मौके पर भाजपा कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के पूर्व उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. ओपी टांक ने शिविर में भाग ले रहे सभी प्रशिक्षणार्थी छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री का वितरण किया। इसी के साथ उन्हें प्रतिदिन अल्पाहार उपलब्ध कराया। इसके लिए स्कूल की प्रिंसिपल अंजुला जैन ने डॉ. टांक का आभार व्यक्त किया। अतिथि डॉ. ओपी टांक ने इस मौके पर सभी बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहने के साथ ही खेल गतिविधियों में भी आगे आने का आह्वान किया। इस अवसर पर कठपुतली नगर विकास समिति के उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, इकरार खान सहित अन्य वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

सेशन न्यायालय परिसर में चला दो दिवसीय सघन सफाई अभियान सम्पन्न

दी बार एसोसिएशन जयपुर और नगर निगम हेरिटेज का संयुक्त प्रयास

जयपुर. शाबाश इंडिया। दी बार एसोसिएशन जयपुर के निर्देशन, नगर निगम हेरिटेज-सिविल लाइंस जोन, अभियान के संयोजक एडवोकेट संदीप कुमार सौगानी एवं सह-संयोजक एडवोकेट महेंद्र कुमार सोनी के सहयोग से बनीपार्क स्थित सेशन न्यायालय परिसर में दो दिवसीय सफल सघन सफाई अभियान का आयोजन किया गया। नगर निगम हेरिटेज सिविल लाइंस जोन उपायुक्त सुनील बैरवा एवं चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर पप्पू गोयर के निर्देशन में लगभग 150 सफाई कर्मचारी, जेसीबी, डंपर, सक्शन मशीन, फायर ब्रिगेड की गाड़ियों सहित अनेक संसाधनों के माध्यम से सम्पूर्ण न्यायालय परिसर की सफाई करवाई गई। इस अवसर पर प्रियंकर श्रीयाग सी.जे.एम-प्रथम, दी बार एसोसिएशन जयपुर अध्यक्ष एडवोकेट संदीप लुहाड़िया एवं महासचिव एडवोकेट मनीष गगरानी माहेश्वरी, रमेश चंद शर्मा-उपाध्यक्ष, योजन शर्मा-कोषाध्यक्ष, आकाश कपूर-उप कोषाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य-राजेंद्र शर्मा, आशुतोष शर्मा, इंतखाब आलम, मनीष पारीक उपस्थित रहे। एडवोकेट नरेश कुमार सैन, आशीष शर्मा, कपिल जांगिड, यश जौहरी, ज्ञानचंद राजोरिया, कैलाश यादव, प्रदीप निर्मल, हितेश राही, सी पी मीणा एवं रूपचंद वर्मा, अन्य अधिवक्तगण, मोहम्मद आसिफ-सहायक नाज़िर, अमिताभ कौशिक- सेवानिवृत अतिरिक्त आयुक्त-डिसेबिलिटी, समाज कल्याण विभाग ने श्रमदान कर अपना अमूल्य सहयोग दिया। इस स्वच्छता अभियान का उद्देश्य न्यायिक परिसर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुचारु वातावरण प्रदान करना है, जिससे अधिवक्ताओं, न्यायिक अधिकारियों एवं आगंतुकों को एक बेहतर परिवेश मिल सके।

धामनोद के जैन मंदिर में16वे तीर्थंकर भगवान 1008श्री शांतिनाथ जी का जन्म तप व मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

धामनोद। ज्येष्ठ कृष्णा चतुर्दशी सोमवार जैन धर्म के 16वे तीर्थंकर भगवान 1008श्री शांतिनाथ भगवान के जन्म तप मोक्ष कल्याणक था। प्रातः भगवान के कल्याणक के अवसर पर एक स्वर्ण कलश व रजत कलश से शांतिधारा करने का सौभाग्य नरेंद्र जैन बड़वेल ने व भगवान शांतिनाथ जी के मस्तक पर शांतिधारा करने का सौभाग्य त्रिशला अमित जैन अमेरिका को लाभ मिला । सभी उपस्थित इंद्र ने भी अभिषेक किया। आज भगवान के मोक्षकल्यांक पर निर्वाणकांड सामूहिक बोलकर लाडू व गोटे नारियल श्री सम्मेदशिखर जी की कुंद प्रभ कूट की कल्पनाकर भगवान के श्रीचरणों में अर्पित कर भगवान से प्राथना की गई। उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने जैसे आपने अपना नश्वर त्याग कर सिद्धशिला पर विराजमान हो गए आपने संसार में जन्म मरण का त्याग होगया ऐसी भावना हम भी भाते है। यह जानकारी सचिव दीपक प्रधान व राजेश जैन, पीयूष जैन, सुनील जैन ने दी। पंडित नितिन जैन दीपांशु जैन का भी सराहनीय सहयोग रहा।

विधायक अशोक कोठारी टीम ने सिंदूर यात्रा का किया स्वागत अभिनंदन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता व भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में सोमवार को सिंदूर यात्रा महिला जिला समिति के तत्वाधान में विभिन्न महिला संगठनों द्वारा सिंदूर तिरंगा यात्रा निकाली गई, यात्रा का विधायक अशोक कोठारी टीम ने स्वागत अभिनंदन किया। मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि तिरंगा यात्रा अंबेडकर सर्किल से प्रारंभ होकर गोलप्याऊ चौराहा, पेच के बालाजी होते हुए सूचना केंद्र चौराहे पर पूर्ण हुई। विभिन्न समाजों की महिलाओं व विभिन्न महिला संगठनों की सदस्यों ने भाग लिया। टीम द्वारा बालाजी मार्केट में लोभचंद मांगीलाल शोरूम के पास पुष्प वर्षा कर सिंदूर यात्रा का गर्म जोशी के साथ हमारा तिरंगा जिंदाबाद, जय हिंद की सेना जिंदाबाद, हिंदुस्तान जिंदाबाद, वंदेमातरम, जय श्री राम, भारत माता की जय के उद्घोष के साथ वातावरण गुंजायमान हो गया। सिंदूर यात्रा में जिला संयोजक बरजी देवी भील, जिला सहसंयोजक मंजू पालीवाल, मोहनी माली, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा सहित सेकड़ो महिलाएं व पुरुष तिरंगे को लहराते हुए अनुशासित व कतार से चल रहे थे। इस मौके पर कन्हैयालाल स्वर्णकार, श्रीमती रमा शर्मा, बाबूलाल टाक, अनिल चौधरी, सुंदर लाल बम्बोड़ा, एडवोकेट अर्पित कोठारी, गजेंद्र सिंह राठौड़, दिनेश सुथार, कमल कोठारी, अमन शर्मा, सुनील शर्मा, अशोक सूर्या, पंकज सूर्या, सुरेश बापना, राधेश्याम सोडाणी, चेतन मानसिंहका, लादूलाल गुर्जर, अजय पाराशर, हर्षित ओझा, अक्षय व्यास के साथ ही सैकड़ो वर्तमान /पूर्व पदाधिकारीयो, कार्यकर्ताओं ने स्वागत अभिनंदन किया।

जैन मिलन अरिहंत भिंड द्वारा सफाई मित्रों का सम्मान किया गया

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। भीषण गर्मी को देखते हुए आज संस्था द्वारा सफाई मित्रों के कोल्ड ड्रिंक और स्वल्पाहार का वितरण किया गयो जैन मिलन अरिहंत भिंड के अध्यक्ष अजित जैन सोनू द्वारा बताया गया की यूं तो संस्था विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में अपना योगदान करती रहती हैं इस भीषण गर्मी में जहां आम आदमी कूलर एसी में भी इस भीषण गर्मी से परेशान है वहां हमारे सफाई मित्र इस भीषण गर्मी में भी पसीने में तर-बतर होकर चुपचाप इस शहर को स्वच्छ रखने में अपना उल्लेखनीय योगदान देते हैं अगर ये लोग ना हो तो शहर को साफ और स्वच्छ रखना नामुमकिन है , फिर भी इनकी और किसी का ध्यान नहीं जाता । गत दिवस जब इन सफाई मित्रों को पसीने में तर-बतर होकर चुपचाप अपना काम करते हुए देखा तो मन में उनके प्रति कर्त्तज्ञता की भावना जागृत हुई और हम सभी ने इन सफाई मित्रों का सम्मान करने का निर्णय लिया, इस संबंध में यह एक छोटा सा प्रयास है जिसमें हमने सभी सफाई मित्रों को आज पुस्तक बाजार में कोल्ड ड्रिंक एव स्वल्पाहार का वितरण किया है इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्षद हेमू-राहुल जैन रानीपुरा का विशेष योगदान रहा , कार्यक्रम में मुख्य रूप से जैन मिलन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर सुनील जैन मेडिकल,जैन मिलन अरिहंत के मंत्री विकास जैन, कोषाध्यक्ष अमन जैन,उदित जैन, रजत जैन, अमन जैन, मनोज जैन,धर्मेंद्र जैन पत्तल, नीरज जैन , आदेश जैन तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे एव सफाई मित्रों धीरू, सुरेश, शिवम, नीरज, कमलेश, दिलीप, राकेश, वीरू, राजू, महेश, सुरेश आदि का सम्मान किया गया।

श्योपुर प्रतापनगर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर मे श्री शांति नाथ भगवान का जन्म तप एवं मोक्ष कल्याण महामहोत्सव मनाया गया। इस मौके पर भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा करने का सोभाग्य पूर्व अध्यक्ष समाज श्रेष्ठी अशोक बाकलीवाल परिवार को मिला।

अतिशय क्षेत्र देरांठू में भगवान शान्ति नाथ का जन्म-तप-मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद के निकटवर्ती देरांठू कस्बे में स्थित दिगम्बर जैन समाज के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल अतिशय क्षेत्र देरांठू में भगवान श्री 1008 श्री शांतिनाथ भगवान का जन्म-तप-मोक्ष कल्याणक महोत्सव सोमवार को बड़े हर्ष व उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान शान्ति नाथ की प्रतिमा पर विधि विधान से अभिषेक कर शान्तिधारा की गई। ज्ञात है कि देरांठू अतिशय क्षेत्र में विराजमान भगवान शान्ति नाथ की प्रतिमा अति प्राचीन व चमत्कारी होने के साथ मनोकामना पूर्ण करने वाली है। इस धार्मिक अतिशय क्षेत्र में भगवान शान्ति नाथ की प्रतिमा के दर्शन करने हेतू राजस्थान प्रान्त के अलावा अन्य क्षेत्रों से भी जैन धर्मावलंबी बसों गाड़ियों में अपनी धार्मिक यात्रा के दौरान दर्शन करने आते रहते हैं। सोमवार को आयोजित अभिषेक व शान्ति धारा में महेन्द्र पाटोदी, हुकमचन्द सेठी, ताराचंद सेठी, राकेश जैन, राजकुमार पाटोदी, पंकज सेठी, राजकुमार सेठी, हार्दिक सेठी, सहित कई जैन धर्मावलंबी पुरुष व महिलाएं भी उपस्थित रहे।

मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने दिलाया तीर्थ का दर्जा: विजय धुर्रा

भक्ति भाव से मनाया भगवान श्री शान्तिनाथ स्वामी का निर्वाण कल्याणक, महामस्तिकाभिषेक के साथ हुई जगत कल्याण की कामना के लिए शान्ति धारा

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से निर्मित श्री शान्ति नाथ त्रिकाल चौबीस जिनालय पर आज भगवान श्री शान्ति नाथ स्वामी के निर्वाण कल्याणक महोत्सव को हम भगवान के महा मस्तिष्काभिषेक के साथ जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में श्री शांतिनगर जिनालय में की गई इसके साथ ही भक्तों की जय जय कार के बीच भगवान को निर्वाण लाडू समर्पित किया गया।

निर्वाण लाडू समर्पित कर मना रहे हैं शान्ति धारा दिवस

इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने नगर में त्रिकाल चौबीस शान्ति नाथ जिनालय की स्थापना कराकर नगर को तीर्थ का दर्जा दिलाया आज देश भर से श्राद्धलू त्रिकाल चौबीस शान्ति नाथ की वंदना करने हमारे नगर में आते हैं ये तांता वर्ष भर लगा रहता है आज हम भगवान के निर्वाण कल्याणक को भगवान का महा मस्तिष्काभिषेक कर महोत्सव के रूप में पंचायत कमेटी के तत्वावधान में मना रहे हैं इस दौरान दीप प्रज्जवलन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद संयोजक श्रेयांस जैन चन्द्रेश वासल धनकुमार सहित अन्य भक्तों ने किया श्री शान्ति नाथ त्रिकाल चौबीस के कारण देश भर में अशोक नगर जैन समाज की अलग पहचान बन गई है मंगलाष्टक के साथ हुआ महा मस्तिष्क भिषेक इसके पहले आज प्रातः से ही भक्तों का समूह शान्ति नगर की ओर हो रहा था जहां जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर के मंत्रोच्चार के मंगलाष्टक का पाठ किया गया तद उपरांत जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर की मधुर ध्वनि और भक्ति गीतों के बीच पडूक शिला पर भक्तों द्वारा भगवान को विराजमान किया गया इसके बाद भगवान का महा मस्तिष्काभिषेक किया गया भगवान श्री शांतिनाथस्वामी के महामस्तिष्कभिषेक करने का सौभाग्य कुन्दनलाल मनीषकुमार आशीषकुमार हिन्द परिवार को श्री कुन्थ नाथ स्वामी पर प्रथम महा मस्तिष्कभिषेक अशोक कुमार विकास कुमार करैया श्री अरनाथ स्वामी पर प्रथम महा मस्तिष्कभिषेक महेश कुमार शुभम् कुमार अमित कुमार डी सी वी बैंक परिवार को सौभाग्यप्राप्त हुआ इसके बाद अन्य भक्तों को सौभाग्य प्राप्त हुआ

जगत कल्याण की कामना के लिए हुई शान्ति धारा

इस दौरान पर जैन युवा वर्ग के संरक्षक शैलेन्द्र श्रागर ने शान्ति धारा के मंत्रोच्चार के साथ कहा कि आज शान्ति धारा दिवस है परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने इस दिन को शान्ति धारा दिवस घोषित कियाथा हम सब मिलकर भगवान की शान्ति धारा करने जा रहे हैं बही चार इन्द्र वनकर रविन्द्र कुमार आशीष कुमार ओडेर महामंत्री राकेश कुमार विवेक कुमार अक्षय कुमार अमरोद सतीश कुमार प्रतीक कुमार पद्म चन्द नीरज कुमार भैसरवास रमेश चंद्र राजेश कुमार चन्द्रेश वासल रमेश चंद्र विकास कुमार रविकांत डैकन चन्द्र कुमार सोनी छोटे लाल प्रदीप कुमार देवखो सहित अन्य भक्तों को मिला।

भगवान की छत्रछाया हेतु किये छत्र समर्पित

वहीं भगवान की छत्र छाया हेतु छत्र समर्पित करने का सौभाग्य श्री मति साधना जैन मातेश्वरी गौरव जैन टींगू मिल परिवार श्री मति सुरभि नीतू हिन्द हार्डवेयर प्रकाश चन्द्र पवन कुमार श्रेयांस कुमार घेला पिपरिया जैन समाज के महामंत्री राकेश अमरोद के साथ अध्यक्ष राकेश कासंल मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मंत्री विजय धुर्रा विवेक अमरोद नवीन कुमार ठेकेदार आशीष कुमार ठेकेदार श्री मति सुनीता जैन सुनील कुमार सुमत कुमार सिंघाड़ा सुरेश ठैकन मुन्ना वाझल सहित अन्य भक्तों को मिला।

भक्ति भाव से किया निर्वाण लाडू समर्पित

भगवान की पूजन आराधना करते हुए भक्ति भाव पूर्वक श्रीशांतिनाथ त्रिकाल चौबीस जिनालय के मूल नायक देवाधिदेव भगवान श्री शान्तिनाथ स्वामी के चरणों निर्वाण कल्याणक का अर्घ समर्पित कर निर्वाण लाडू श्री मति सरिता डालचंद यश कंचन कुमकुम जैन को मिला आजाद वेलई सचिन मोनू संयोजक श्रेयांस प्रकाश चन्द्र पिपरिया अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री विजय धुर्रा अनिल जैन नीतू जैन धन कुमार श्री मति साधना जैन मातेश्वरी गौरव जैन टींगू मिल विनोद चंचल मनोज विजय पुरा डॉ सुगन चन्द्र सोनू गो सेवा चन्द्रेश वासल विपिन बाझल रविन्द्र ओडेर मोतीलाल शिक्षक मुकेश लवली संजीव छाट बमूरिया सहित सभी भक्तों ने लाडू समर्पण किये।

दस दिवसीय जैन रामायण कथा का आज मंगलवार को होगा भव्य समापन

मुनि जयकीर्ति बताएंगे राम कथा का सार, कथा सुनने का फल व जीवन में प्रभाव। सायंकाल महाआरती एवं भक्ति संध्या में झूमे श्रद्धालु

आज 27 मई को होगा भव्य समापन। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी होंगे मुख्य अतिथि एवं उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चन्द बैरवा होगें विशिष्ट अतिथि

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर। जिनवचन हमेशा प्रामाणिक ही होते है....संसार असार है, जिन शरण ही सच्ची शरण है। ये उदगार गुलाबी नगरी जयपुर की पावन धरा पर पहली बार दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में राजस्थान जैन युवा महासभा, जैन कनेक्ट, दुर्गापुरा जैन मंदिर ट्रस्ट एवं महिला मंडल दुर्गापुरा के संयुक्त तत्वावधान में चल रही दस दिवसीय जैन रामायण कथा के नवें दिन सोमवार को मुनि जयकीर्ति महाराज ने व्यक्त किये। उन्होंने कथा के दौरान सीता की अग्नि परीक्षा, लव कुश का जन्म, लव कुश का राम लक्ष्मण से युद्ध, सीता को वैराग्य, जिनेश्वरी दीक्षा धारण सहित अन्य प्रसंगो का चिरपरिचित शैली में चित्रण किया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' पर आधारित जैन रामायण कथा के संगीतमय आयोजन में भगवान चन्द्र प्रभू के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन युवा समाजसेवी डॉ राजीव जैन - अंजू जैन, जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के अध्यक्ष सुशील - सरिता कासलीवाल एवं विनोद जैन कोटखावदा,जय कुमार जैन, प्रकाश चांदवाड, राजेन्द्र काला, अनुज जैन, अतीव जैन, सुखानन्द काला, जी सी जैन, पारस जैन पार्श्वमणि आदि ने किया। ब्रह्मचारिणी पल्लवी दीदी द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। मुनि जयकीर्ति महाराज के पाद पक्षालन सुनील-माया, अंकित-प्रियंका, अभिनव-कल्पना, आयुष-पायल संगही परिवार, राजा श्रेणिक परिवार एवं एडवोकेट राजेश-संगीता काला, मुनि भक्त शांति कुमार-मीना पाटनी ने कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा के मुख्य श्रोता राजा श्रेणिक के रुप में सूर्य प्रकाश - कृष्णा, अनुज-नीरु, मिलिंद-गुंजन छाबड़ा, ईशान-तनु गोधा, खुशी, काश्वी, रिनाया छाबड़ा परिवार का गाजों बाजों के साथ सभागार में जयकारों के बीच आगमन हुआ। राजा श्रेणिक परिवार परिवार द्वारा मुनि श्री को जिनवाणी भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजा श्रेणिक सूर्य प्रकाश अनुज छाबड़ा परिवार द्वारा किये गये प्रश्न का मुनि श्री द्वारा समाधान के रुप में रविषेणाचार्य द्वारा रचित प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' में उल्लेखानुसार जैन रामायण कथा का वाचन प्रारम्भ किया। गुरुदेव के मुखारविंद से चल रही जैन राम कथा

में नवें दिन मुनि श्री ने बताया कि अवर्णवाद के कारण सेनापति सीता को सिंहनाद वन छोड़कर आ जाते हैं राम को बहुत पश्चाताप होता है लक्ष्मण राम को संबोधित करते हैं.... वेदवती पर्याय में सीता ने मुनी और आर्यिका से अपवाद किया था इसलिए उनको वनवास मिला... राजा वज्रजंघ से सीता को सांत्वना मिलती है बहन के रूप में स्वीकार करके अपने नगर ले जाते हैं वहां पर भव्य स्वागत होता है.. लव और कुश का जन्म होता है.. क्षुल्लक सिद्धार्थजी से विद्या ग्रहण करते हैं फिर नारद जी के द्वारा दोनों पुत्रों को राम लक्ष्मण का सारा वृत्तांत सुनाया जाता है....लव कुश का राम लक्ष्मण से युद्ध होता है... फिर राम का लव कुश से मिलन होता है सीता पुनः पुंडरीक के नगर में लोटती है..... हनुमान और सुग्रीव राम को पुनः सीता को लाने के लिए कहते हैं फिर सीता का पुनः अयोध्या में आगमन होता है सीता धन्य हो रूप धन्य हो..... राम सीता से क्रोधित होकर दूर हट जाओ आदि कटु वचन बोलते है.... राम और सीता में बहुत भारी संवाद होता है सीता कहती है मैं किस प्रकार अपने को निर्दोष सिद्ध करूं..? महापुरुषों की पत्नीयों में कोई विकार नहीं होता है। सकल भूषण मुनिराज पर उपसर्ग होता है और फिर उनको केवल ज्ञान हो जाता है.... सीता अग्नि परीक्षा के लिए तैयार होती है पंच नमस्कार मंत्र का स्मरण करते हुए अग्नि परीक्षा देती है तों अग्नि का कुंड जल का तालाब बन जाता है.....अब सीता को वैराग्य हो जाता है वह पृथ्वीमति आर्यिका से जनेश्वरी दीक्षा को ग्रहण करती है..... अंत में सीता को भी जिनेन्द्र प्रभु की शरण में ही जाना पड़ा और मुक्ति का मार्ग अपनाया और अच्छी तरह से समझ लिया कि संसार असार है जिनशरण ही सच्ची शरण है.....गुरुदेव ने बहुत अच्छी तरह से इस भव्य राम कथा को समझाया और गुरुदेव के द्वारा गाए जाने वाले सभी गीत स्वरचित हैं राम कथा को सुनने के बाद वैराग्य के भाव आ ही जाते। मंच संचालन राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने किया। आभार मुख्य संयोजक अनुज जैन ने व्यक्त किया। इस मौके पर डीआईजी स्टाम्प डॉ गोरधन लाल शर्मा आर ए एस, एसीपी आदित्य पूनिया, पार्षद दामोदर मीना, जैन गजट संवाददाता पारस जैन पार्श्वमणि, विनोद - सुधा जैन सहित सभी अतिथियों ने श्रीफल भेट कर मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन समिति के संजय पाण्डया, सुभाष बज, चेतन जैन निमोडिया, राज कुमार सेठी, कमलेश जैन, राहुल गोधा, संदीप जैन, दीपिका गोधा, रेखा पाटनी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। दुर्गापुरा जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि सायंकाल 7.00 बजे राजा श्रेणिक परिवार एवं उपस्थित सैकडो श्रद्धालुओं द्वारा जिनेन्द्र देव की आरती के बाद मुनि श्री की भव्य आरती की गई। गुरु भक्ति के आयोजन के बाद प्रसिद्ध गायक सुभाष बज द्वारा पदमप्रभू चालीसा का पाठ, आध्यात्मिक एवं संदेशात्मक भजनों की प्रस्तुति दी गई। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक मंगलवार, 27 मई को जैन रामायण कथा के दस दिवसीय आयोजन का समापन होगा। प्रातः 8.15 बजे से मुनि श्री जयकीर्ति महाराज के मुखारविंद से राम का मोक्ष एवं राम कथा सुनने का फल एवं इसका जीवन पर प्रभाव बताया जाएगा। इस मौके पर समाजश्रेष्ठी अशोक जैन नेता - अलका गोधा, अर्पित - आयुषी, दित्तया, कियानवी गोधा कैलाशपुरी वाले राजा श्रेणिक परिवार का पुण्यार्जन करेगे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चन्द बैरवा शामिल होंगे। सायंकाल 7.00 बजे से भव्य संगीतमय आरती एवं गुरु भक्ति के आयोजन होंगे।

वृद्धाश्रम में जन्मदिन मनाकर लिया बुजुर्गों का आशीर्वाद

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। सामाजिक संस्था जैन मिलन महिला चंदना की संरक्षक सदस्य अनुपमा जैन ने अपनी पुत्रवधू अंजलि जैन के जन्मदिन को कुछ अलग ही अंदाज में मनाया। इस अवसर पर शाखा सदस्यों के साथ आनंद धाम वरिष्ठ जन सेवा केंद्र पहुंचकर व्रद्धजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया और उन्हें भोजन, फल एवं गर्मी के मौसम को देखते हुए सर ढकने के लिए टोपी सप्रेम भेंट की। इस अवसर पर वीरां अनुपमा जैन ने कहा टूटते शजर से न यू मुख मोडिये, उम्र भर फल दिए अब किधर जाएंगे। हमने शाखा सदस्यों और परिवारी जनों के साथ अपनी पुत्रवधू अंजलि जैन का जन्मदिन आनंद धाम वरिष्ठ जन सेवा केंद्र में मनाने का निर्णय लिया इन वरिष्ठ जनों के बीच हमने जो समय व्यतीत किया वह निश्चित ही हमारे लिए अविस्मरणीय पल हैं इन बुजुर्गों का आशीर्वाद हमारे अंदर एक सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करता है जो हमें जीवन में आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है मैं समाज के सभी वर्ग के लोगों से निवेदन करना चाहूंगी कि आप लोग भी अपने मांगलिक अवसरों पर इन बुजुर्गों का आशीर्वाद अवश्य प्राप्त करें। इस अवसर पर क्षेत्रीय जल जागरूकता समिति चेयरमैन नीतू पहाड़िया शाखा अध्यक्ष सुनीता जैन मंत्री अलका जैन विभा जैन, मोनी जैन, अर्चना जैन, अंजलि जैन, हीरा रानी जैन, शिवाय जैन, नंदिनी जैन, ज्योति जैन, निकेश जैन, नमन जैन स्वप्निल जैन उपस्थिति रही।

शांतिनाथ भगवान के जन्म, तप व मोक्ष कल्याणक एवं चतुर्दशी पर्व मनाया

धूमधाम से मनाया भगवान शांतिनाथ का मोक्ष कल्याण महोत्सव

सीकर. शाबाश इंडिया बजाज रोड स्थित ''दिगंबर जैन नया मंदिर'' में भगवान शांतिनाथ भगवान का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। शहर के जैन मंदिरों में जैन धर्म के 16 वें तीर्थंकर शांतिनाथ भगवान के जन्म, तप व मोक्ष कल्याण महोत्स एवं चतुर्दशी पर्व धूमधाम से मनाया गया।सुबह छह बजे जलाभिषेक शांति धारा की गई तत्पश्चात जिनालय ''शांतिनाथ भगवान'' की मूलनायक प्रतिमा के समक्ष लड्डू विधि विधान से चढ़ाया गया। साथ ही शांतिनाथ विधान का आयोजन विधि विधान से हुआ। धर्म प्रेमी बंधुओ ने मंत्रोच्चारण कर अर्घ्य समर्पित कराए। सामूहिक पूजन का आयोजन मंदिर में हुआ। काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से पूजा की। सुबह शांतिनाथ विधान का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने विधिविधान से अर्घ्य समर्पित किए। मंत्र पढ़कर भगवान शांतिनाथ के समक्ष लाडू चढ़ाया। इस दौरान श्रावक और श्राविकाओं नें पुण्यार्जन किया। प्रियंक गंगवाल ने शांतिनाथ भगवान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। वे तीन पदों के धारी थे- 16वें तीर्थंकर, 5वें चक्रवर्ती और 12वें कामदेव। उनका प्रतीक चिन्ह हिरण था। शांतिनाथ भगवान का जन्म हस्तिनापुर में हुआ था। उनके पिता इक्ष्वाकु वंशीय राजा विश्वसेन और माता रानी एरा देवी थीं। शांतिनाथ भगवान के शरीर का रंग स्वर्ण के समान था। उनकी ऊंचाई 40 धनुष (लगभग 120 मीटर) थी। उनकी आयु 7 लाख वर्ष थी। उनके 36 गणधर थे। उन्होंने जैन धर्म के सर्वोच्च तीर्थ सम्मेदशिखर से ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी के दिन मोक्ष प्राप्त किया था।

अंतर्राष्ट्रीय एक्यूप्रेशर योग सेमीनार

पटना. शाबाश इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय एक्यूप्रेशर योग सेमीनार एवं चिकित्सक सम्मेलन का आयोजन अधिवेशन भवन शासन सचिवालय पटना में हुआ जिसमें बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, तारकिशोर प्रसाद, उप मुख्यमंत्री डा प्रेम कुमार सहकारिता मंत्री, डॉ. अजय प्रकाश बरनवाल कार्यक्रम संयोजक एवं आयोजक, डॉ. प्रकाश बरनवाल श्रीलंका विजिटिंग प्रोफेसर ,पटना महापौर वीणा बरनवाल भाजपा ने उपस्थित होकर इस सेमिनार की शोभा बढ़ाई ।राजस्थान के प्रति निधि के तौर पर मर्म चिकित्सा विशेषज्ञ डा पीयूष त्रिवेदी शासन सचिवालय जयपुर,डा के पी सिंह नाथावत पंचकर्म प्रभारी प्राकृतिक चिकित्सालय बापू नगर जयपुर कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित हुए ।डा पीयूष त्रिवेदी ने मर्म चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डाला।

उपाध्याय वर्षभा नंद मुनिराज ससंघ का जनकपुरी जैन मंदिर में हुआ मंगल प्रवेश

संस्कारो का शंखनाद करना होगा तभी भावी पीढ़ी संस्कारित होगी: उपाध्याय वर्षभा नंद जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में सोमवार को प्रातः आचार्य वसुनंदी महामुनिराज के वरिष्ठ शिष्य उपाध्याय वृषभा नन्द जी मुनिराज ससंघ (दस पिच्छी) का गाजे बाजे के साथ मंगल प्रवेश हुआ ।उपाध्याय श्री ने अपने आशीर्वचन में समाज की ज्वलन्त समस्याओ पर बोलते हुए कहा कि समाज स्वयं संस्कारों से जुड़ कर अपनी संतानों को सुसंस्कृत नहीं कर पाया तो फिर संस्कारों का शंखनाद कैसे होगा ? उपाध्याय श्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में जैन समुदाय संख्यात्मक दृष्टिकोण से सिमटता जा रहा है जिसके लिए चिंतन मंथन और मनन की आवश्यकता है जैन बेटे बेटियों के अंतरजातीय विवाहों को रोकने की जिम्मेदारी अभिभावकों की है। हम सबको मिलकर जैनत्व की एकता का प्रयास करना चाहिए ।

नाम के साथ पहले जैन लिखें फिर गोत्र

प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बडजात्या कामा ने कहा कि जातिगत जनगणना में धर्म के कालम में जैन लिखवाना,नाम के साथ जैन उपनाम का प्रयोग,सन्तानो के प्रथम नामांकन के समय उनके नाम के साथ जैन लगाया जाये ।

निर्वाणोत्सव पर चढ़ाया निर्वाण लाडू

उपाध्याय श्री के पावन सानिध्य में विदुषी दृष्टि, रिया, व देवांश ने प्रात बच्चों द्वारा अभिषेक के बाद साज बाज व भक्ति के साथ पारिवारिक पूजन करायी तथा भगवान शांति नाथ की पूजन में उपाध्याय श्री द्वारा निर्वाण काण्ड का वाचन कर मोक्ष कल्याण का अर्घ्य बोला गया तथा समाज द्वारा जयकरों के मध्य निर्वाण लाडू चढ़ाया। इससे पूर्व चन्द्र प्रभा शाह परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। प्रभावना पुण्यार्जक राजकुमार बाकलीवाल परिवार तथा निर्वाण लाडू सहयोगी केसर देवी बाकलीवाल परिवार रहे। उपाध्याय संघ का प्रात प्रवचन, मध्यान्ह स्वाध्याय व शाम को गुरु भक्ति आदि का कार्यक्रम रहेगा।

जैन सोशल ग्रुप अरिहंत द्वारा पूल पार्टी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप अरिहंत द्वारा सनराइज ड्रीम वर्ल्ड रिसॉर्ट एंड वॉटर पार्क में पुल पार्टी का आयोजन किया गया। ग्रुप के सचिव कमलेश चांदवाड ने बताया इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी दंपत्ति सदस्यों का तिलक लगाकर ढोल एवं वेलकम ड्रिंक से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में दंपत्ति सदस्यों एवं बच्चों ने पूल, स्लाइड्स, रेन डांस का भरपूर आनंद लिया ग्रुप द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टार्टरस एवं शाम को सभी के लिए शानदार भोजन व्यवस्था की गई ग्रुप द्वारा कार्यक्रम को मनोरंजक बनाने के लिए वाटर पुल गेम्स कैमल राइडिंग स्केरी हाउस कैरम आदि विभिन्न प्रकार के गेम खिलाए गए रिसॉर्ट में ऑक्सीजन वेली का भी शानदार मजा दंपत्ति सदस्य एवं बच्चों ने लिया। कार्यक्रम में नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन एवं ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राजीव पाटनी एवं ग्रुप अध्यक्ष अमर चंद दीवान मौजूद रहे। कार्यक्रम में ग्रुप में नए जुड़े दंपत्ति सदस्यों का स्वागत किया गया कार्यक्रम के मुख्य संयोजक प्रतीक पूजा जैन एवं अल्पना जितेंद्र जैन सह-संयोजक सुरेश नेहा जैन अंकित टीना जैन गुंजन मनोज जैन अनिल रीना जैन थे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा जीवदया सेवार्थ कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा 25 मई को सदस्यों के सहयोग से सामाजिक एवम जीवदया की इस कड़ी में इस भीषण गर्मी में दुगार्पुरा गौशाला में पशुओँ को हरा चारा, लड्डू, मतीरा-तरबूज खिलाया ।भीषण गर्मी में व्याकुल पक्षियों की रक्षार्थ हेतु ग्रुप के सभी सदस्यों को अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या द्वारा परिंदों का वितरण कर कहा कि परिंडों को घरों, पार्क में लगाकर नियमित रूप से पानी डालें , पक्षियों की प्यास बुझाएं। कार्यक्रम में संरक्षक सुरेंद्र पांड्या, अध्यक्षा सुशीला विनोद बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील सुमन बज, वरिष्ठ सलाहकार पदम भांवसा, सचिव महावीर पांड्या, कोषाध्यक्ष निर्मल सेठी , रमेश गुणमाला जैन, चेतन रेखा जैन व अन्य सदस्यों की गौरवमय उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने अल्पाहार लिया। अंत मे सचिव महावीर पांड्या ने सभी सदस्यों को धन्यवाद व आभार प्रकट किया।